



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 645] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 31, 1984/पाउ 10, 1906
No. 645] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 31, 1984/PAUSA 10, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विभाग विभाग)

नई दिल्ली 31 दिसम्बर 1984

आदेश

का. जा. 983 (अ) - 1979 सरकार के उद्योग विभाग (औद्योगिक विभाग विभाग) के आदेश में का. जा. 357 (अ) तारीख 7 जुलाई 1979 का अ. 497 (अ) तारीख 5 जुलाई 1980 का अ. 541 (अ) तारीख 6 जुलाई 1981 का अ. 100 (अ) तारीख 7 जुलाई 1982 और का. जा. 497 (अ) तारीख 7 जुलाई 1983 तथा का. जा. 400 (अ) तारीख 6 जुलाई 1984 के साथ पाठन नोटों के अनुसार औद्योगिक विकास विभाग के आदेशों का अ. 400 (अ) तारीख 9 जुलाई 1974 द्वारा (जिस, इसमें उपर्युक्त एक आदेश कहा गया है) में एम.एन.डी.ए. (असम) लिमिटेड चन्द्रपुर नामक औद्योगिक उपक्रम स्थापित करने का उद्योग (विकास और विनिर्माण) प्राधिकरण 1951 (1951 का 65) के द्वारा 1979 की उद्देश्य (1) के अंतर्गत 31 दिसम्बर, 1984 तक विभाग के तहत भी सम्पन्न है, के लिए ग्रहण कर लिया गया जा और मैनेजिंग असम डेवेलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. के उक्त औद्योगिक उपक्रम का नाम ग्रहण करने के लिए अधिष्ठित किया गया है।

और वही सरकार की यह राय पर कि लाइसेंस में यह तीव्र है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रारंभ और उद्देश्य के अनुसार कार्यवाही के लिए 31 जनवरी 1985 जिसमें यह तारीख भी सम्पन्न हो गई है।

जा. अ. 983 (अ) में का. जा. उद्योग (विकास और विनिर्माण) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 19 के अंतर्गत (2) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने पर यह विश्वास है कि उक्त आदेश 31 जनवरी 1985 तक लागू हो तारीख में सम्पन्न है, प्रमाणित किया गया है।

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 31st December, 1984

ORDER

S O 983(E) —Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No S O 426(F) dated the 8th July, 1974 (hereinafter referred to as the said Order) read with the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No S O 387(E), dated the 7th July, 1979,

S.O. 497(E), dated the 5th July, 1980, S.O. 541(E), dated the 6th July, 1981, S.O. 480(E), dated the 7th July, 1982, S.O. 497(F), dated the 7th July, 1983 and S.O. 489(E) dated the 6th July, 1984, the management of the chemical unit of the industrial undertaking known as Messrs Associated Industries (Assam) Limited, Chandrapur, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) upto and inclusive of the 31st December, 1984, and Messrs Assam Industrial Development Corporation Limited was authorised to take over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue to be under the management of Messrs Assam Industrial Development Corporation Limited upto and inclusive of 31st January, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect upto and inclusive of the 31st January, 1985.

[No. 4(4)/80-CUS]

आदेश

का. आ. 984 (ज) — भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश का. आ. 426 (अ) तारीख 8 जुलाई 1974 द्वारा, मै एसोसिएटेड इण्डस्ट्रीज (असम) लि. चन्द्रपुर नामक औद्योगिक उपक्रम के (जिसे हमने पञ्चान्त् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) स्थापन एकक का प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन), अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उप-धारा (1) के अधीन 7 जुलाई 1979 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अधिक के लिए ग्रहण कर लिया गया था,

और उक्त आदेश की अवधि को 31 जनवरी, 1985 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, समय-समय पर बढ़ाया गया है,

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के सञ्चालन में अनुसूचित उद्योग, अर्थात् स्थापन उत्पादन की मात्रा में कमी को रोकने की दृष्टि से जनसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18क की उपधारा (1) के खंड (ख) के साथ पठित उपधारा 2 के परन्तुक के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह घोषणा करती है कि इस आदेश के द्वारा किए जाने की तारीख से ठीक पहले प्रदत्त सभी सविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरणपत्रों, करारों, परिनिष्करणों, पचाटों

स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (जो उनसे भिन्न है जो बैंको और वित्तीय संस्थाओं के प्राप्ति प्राप्त दायित्वों में संबंधित हैं, जिनका उक्त औद्योगिक उपक्रम या ऐसे उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कंपनी पक्ष-कार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कंपनी को लागू है, प्रवर्तन 31 जनवरी, 1985, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तक की अवधि के लिए निरन्तर रहेगा और उक्त तारीख से पहले उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निरन्तर रहेंगे।

[No. 4(4)/80-CUS]

ए. पी. सारवान, सयुक्त सचिव

ORDER

S.O. 984(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S. O. 426(E), dated the 8th July, 1974, the management of the chemical unit of the industrial undertaking known as Messrs Associated Industries (Assam) Limited, Chandrapur (hereinafter referred to as the said industrial undertaking was taken over under sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for the period upto and inclusive of the 7th July, 1979;

And, whereas, the duration of the said order has been extended from time to time upto and inclusive of the 31st January, 1985;

And, whereas, the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industry, namely, the chemical industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with clause (b) of the proviso to sub-section (2), of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurance of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period upto and inclusive of 31st January, 1985 and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

[No. 4(4)/80-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.